nt>

Title: Regarding seeds of corn distributed by a multinational company.

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : अध्यक्ष महोदय, बिहार में दो लाख हैक्टेयर जमीन में मक्का की खेती होती है। बिहार में किसान 16 लाख टन मक्का पैदा करते हैं, लेकिन मल्टी-नैशनल कंपनी ने कारगिल नाम से मक्के के एक बीज को प्रचारित किया और कहा कि एक एकड़ में 80 क्विंटल मक्का पैदा होगी। किसानों ने उस बीज को खरीद लिया और बो दिया। फसल खूब लहलहायी और बाल भी बहुत बड़ी आईं, लेकिन 1 लाख 80 हजार एकड़ जमीन में एक भी दाना किसी भी बाल में नहीं आया। बाल और मक्के की चरी मवेशियों को खिला दी और किसानों की फसल पर पानी फिर गया।

महोदय, खेती करने में बीज लगा, सिंचाई की, और खाद लगा, लेकिन मक्के का एक दाना भी पैदा नहीं हुआ। इस प्रकार से किसानों के साथ एक बहुत बड़ा घात मल्टीनैशनल कंपनी द्वारा किया गया और हिन्दुस्तान के प्रमुख अखबार ने छापा "हमारी खेती का विनाश" इस प्रकार से किसानों के साथ घात हुआ, छल किया गया, धोखाधड़ी की गई। भारत सरकार क्या कर रही है ? इस कारण आज किसान त्राहि-त्राहि कर रहे हैं। मेरा निवेदन है कि सरकार को इसकी जांच करके रिपोर्ट देनी चाहिए। अगर देश में इस प्रकार से निर्वंश बीज का इस्तेमाल होगा तो किसानों की फसल मारी जाएगी और किसानों के साथ छल होगा। सरकार को इसे गम्भीरता से लेना चाहिए और जांच करनी चाहिए और किसानों को मुआवजा देना चाहिए। भारत में मक्के का निर्वंश और बांझ बीज बोया जा रहा है, इसका क्या कारण है, भारत सरकार इसकी जांच करे और इसे रोकने के लिए तुरन्त कार्रवाई करे। â€¦ (व्यवधान)